

## कोयला खदानों के लिये स्टार रेटिंग पंजीकरण प्रक्रिया

### चर्चा में क्यों?

हाल ही में कोयला मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिये **कोयला** और **लग्नाइंट खदानों की स्टार रेटिंग पंजीकरण प्रक्रिया** शुरू करने की घोषणा की है।

### पंजीकरण संबंधी प्रमुख बटु:

#### ■ प्रक्रिया:

- प्रक्रिया में भाग लेने वाली खदानों को **स्व-मूल्यांकन प्रक्रिया से गुजरना होगा** तथा शीर्ष 10% प्रदर्शन करने वाली खदानों को एक समिति द्वारा कथि गए नरीक्षण के माध्यम से पुनः मान्य कथि जाएगा।
- जबकि शेष **90% खदानों को एक ऑनलाइन समीक्षा प्रक्रिया से गुजरना** होगा तथा अन्य सभी प्रतभागी खदानों की समीक्षा कर मूल्यांकन में योगदान कर सकते हैं।
- यह मूल्यांकन **कोयला नयित्तरक संगठन** द्वारा कथि जाएगा।
- **फाइव स्टार से लेकर नो स्टार तक की रेटिंग दी जाएगी** जिसमें प्रत्येक खदान की उपलब्धियों का व्यापक मूल्यांकन कथि जाएगा।

#### ■ उद्देश्य:

- इसका उद्देश्य **खदानों के बीच प्रतस्पर्द्धा को बढ़ावा देना** एवं **वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन**, उन्नत खनन प्रौद्योगिकी को अपनाने तथा आर्थिक उपलब्धियों के आधार पर उनके **उत्कृष्ट प्रदर्शन को पहचानना** है।

#### ■ मापदंड:

- स्टार रेटिंग नीतिका लक्ष्य **सात प्रमुख मापदंडों के वभिन्न कारकों के आधार पर** खानों का मूल्यांकन करना है, ये हैं:
  - खनन कार्य
  - पर्यावरण संबंधी मापदंड
  - प्रौद्योगिकियों को अपनाना
  - सर्वोत्तम खनन पद्धतयिँ
  - आर्थिक प्रदर्शन
  - पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन
  - कार्यकरता-संबंधति अनुपालन और सुरक्षा एवं संरक्षा

### कोयला:

#### ■ परिचय:

- यह एक प्रकार का **जीवाश्म ईंधन है जो तलछटी चट्टानों के रूप में पाया जाता है** और इसे अक्सर **'ब्लैक कोलड'** के रूप में जाना जाता है।
- यह सबसे **अधिक मात्रा में पाया जाने वाला जीवाश्म ईंधन** है। इसका उपयोग घरेलू ईंधन के रूप में लोहा, इस्पात, भाप इंजन जैसे उद्योगों में और बजिली पैदा करने के लिये कथि जाता है। कोयले से उत्पन्न बजिली को 'थर्मल पावर' कहते हैं।
- विश्व के प्रमुख कोयला उत्पादकों में **चीन, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया और भारत शामिल हैं**।
- भारतीय कोयले में **राख की मात्रा अधिक (35 से 45%)** होती है और इसमें सल्फर की मात्रा लगभग 0.5% होती है, जबकि विश्व के अन्य हसिसों में पाए जाने वाले कोयले में राख की मात्रा 15% होती है।

#### ■ भारत में कोयले का वततरण:

- **गोंडवाना कोयला क्षेत्र (250 मिलियन वर्ष पुराना):**
  - भारत के लगभग **98%** कोयला भंडार और **कुल कोयला उत्पादन का 99%** गोंडवाना क्षेत्रों से प्राप्त होता है।
  - भारत के गोंडवाना क्षेत्र से धातुकर्म ग्रेड के साथ-साथ **बेहतर गुणवत्ता वाला कोयला** प्राप्त होता है।
  - यह दामोदर (झारखंड-पश्चिम बंगाल), महानदी (छत्तीसगढ़-ओडिशा), गोदावरी (महाराष्ट्र) और नर्मदा घाटयिँ में पाया जाता है।
- **टर्शियरी कोयला क्षेत्र (15-60 मिलियन वर्ष पुराना):**
  - इसमें कार्बन की मात्रा बहुत कम लेकिन नमी और सल्फर की मात्रा भरपूर होती है।
  - टर्शियरी कोयला क्षेत्र मुख्य रूप से अतरिकित प्रायद्वीपीय क्षेत्रों तक ही सीमति है।
  - प्रमुख क्षेत्रों में **असम, मेघालय, नगालैंड, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पश्चिम बंगाल** में स्थति दारजलिंग की हिमालय की

तलहटी, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और केरल शामिल हैं।

■ वर्गीकरण:

- एन्थ्रेसाइट (कार्बन- 80-95%, जम्मू-कश्मीर में कम मात्रा में पाई जाती है)।
- बट्टिमनिस् (कार्बन- 60-80%, झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में पाया जाता है)।
- लग्नाइट (कार्बन- 40-55%, इसमें नमी उच्च होती है और यह राजस्थान, लखीमपुर (असम) तथा तमलिनाडु में पाया जाता है)।
- पीट (कार्बन- 40% से कम और यह कार्बनिक पदार्थ (लकड़ी) से कोयले में परिवर्तन का पहला चरण है)।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न . नमिनलखिति में से कौन-सा/से भारतीय कोयले का/के अभलिक्षण है/हैं? (2013)

1. उच्च भस्म अंश
2. नमिन सल्फर अंश
3. नमिन भस्म संगलन तापमान

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/star-rating-registration-process-for-coal-mines>

